जादू भरी क्या तूने बाँसुरी बजाई

जादू भरी क्या तूने बाँसुरी बजाई,
कहा उड़ गई मेरी नींद,
कहा खो गया मेरा चैन,
कहा लूट गया मेरा दिल,
जादू भरी क्या तूने बाँसुरी बजाई

ब्रिज में बजी बांसुरी मोहन की,
रण संख बजा गण गौर कही,
कही गीता के ज्ञान का गायन हो,
कही रास रचा भर जोर कही,
कही कंस को काल समान लगा,
बना गोपियों का चित चोर कही,
इसकी यह लीला यही समजे किसी और कही उस और कही
ऐसी सुनी तूने मुरली कन्हाई ,
कहा उड़ गई मेरी नींद.....

बांसुरी की तान मैंने सुनी वृंदावन में,
तब से लग्न लागी है मेरे मन में,
ओ बिरहा की अग्नि लगी मेरे तन में,
कोई न सुहाए मोहे घर आँगन में,
मुरली ने ऐसी पागल बनाई,
क्या खो गई मेरी नींद.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5829/title/jaadu-bhari-kya-tune-bansuri-bajaai-kaha-ud-gai-meri-neend

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |